जया ,जगत औ जुगनू

जया औ जगत मैदान मा खेलत रहे ,खेलत खेलत अंधेर हुई गवा ,दूनो घर की कैती चलि दिहिन .साएँ साएँ हवा चलत रही ,तब्बै पाछे से आवाज आई झों-झों-झों. दूनो डराय गए ,पीछे देखिन तौ कुछ नहीं रहा , तब्बै सामने एक करिया करिया चीज देखाई परी. नंगीचे जाय के देखिन तौ एक झाड़ी रही .झा ड़ी हवा से हालत रही . उइ दूनो तेजी से चले लागे , तब्बै पीछे से आवाज आई – खटर-पटर.खटर -पटर कै आवाज तेज हुय गै , देखिन तौ एक गैया तेजी से दौरत आवत रही. गाय भागत भागत आगे निकरि गै. अब दूनौ हसैं लागे 'हम डेराय काहे गयेन ? तब्बै एक जुगनू जगमग जगमग करत आवा ,अरे वाह उजेर – जया और जगत बोले .

शब्दार्थ

अंधेर -अधैरा **गवा**-गया **हुइ**-हो **दूनौ**-दोनों **कैती**-तरफ **तब्बै**-तभी **पाछे** -पीछे **करिया**-काला **नंगीचे** -नजदीक **गै**-गई **गैया**-गाय **उजेर** -उजाला

अभ्यास-

- जया औ जगत काहे डेराय गए ?
- तुम कब डेरानेव रहै ?कीसे डेरानेव रहै ?
- जुगनू जया औ जगत कै कैसे मदद किहिस ?
- **इनकी आवाज निकारौ**-मुर्गा ,गैया ,छगड़ी ,बिलार ,कूकुर ,कौवा ,कबूतर
- कुछ चीजन कै नाम बताऊ जिनसे घर मा उजेर होत है
- कुछ चीजन के नाम बताऊ जिनसे घर से बाहर उजेर होत है